



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 199]
No. 199]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 26, 1981/कार्तिक 4, 1903
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 26, 1981/KARTIKA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या—53 आई० टी० सी० (पी० एन०)/81

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1981

विषय—विदेश में प्रदर्शनी और बिन्नी के लिए हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम द्वारा स्वर्ण आभूषणों/वस्तुओं का निर्यात।

मिसिल संख्या-6/182/81-ई० पी० सी० :—नवम्बर, 1981 में यूनाइटेड अरब एमिरात में होने वाली प्रदर्शनी में भारत के हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम लि०, द्वारा स्वर्ण आभूषणों के निर्यात और उनकी बिन्नी तथा प्रतिपुति के रूप में सोने के आयात के लिए योजना इस सार्वजनिक सूचना के लिए निम्न अनुबंध में दी जाती है :—

अनुबंध

नवम्बर, 1981 के दौरान संयुक्त अरब एमिरात में होने वाली प्रदर्शनी में भारत के हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड द्वारा स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं के निर्यात और उन की बिन्नी के लिए योजना :—

जैसा कि स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 में परिभाषित है इस योजना के अन्तर्गत केवल स्वर्ण आभूषण और वस्तुओं (सिक्कों

से भिन्न) के निर्यात की अनुमति दी जाएगी। निर्यात के लिए मर्चे 0.5833 शुद्धता के स्वर्ण से कम नहीं बनी होनी चाहिए जो 14 कैरेट के समरूप है।

2. निर्यात हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम या इसके सहयोगियों द्वारा किया जाएगा। पात्र सहयोगी बही होंगे जिन्हें 1981-82 के लिए आयात नीती के परिशिष्ट 31 में निहित वर्तमान योजना की कड़िका 3 में श्रेणीबद्ध किया गया है।

3. इस योजना के अधिन संयुक्त अरब/अमिरात में प्रदर्शनी लगाने के लिए निर्यात, भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन पर प्रेषण के आधार पर किए जाएंगे। निर्यात की जाने वाली प्रत्येक मद्य, उसका कुल भार/मूल्य और स्वर्ण वस्तु का भार और शुद्धता के ध्यौरे साफ-साफ दिए जाने चाहिए। उपर्युक्त स्वर्ण वस्तु के अतिरिक्त जबित मर्दों के मामले में उनके विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाली मद्य का विवरण/भार/पर्यार/रत्न/मोती का मूल्य और साथ ही साथ सोने में मिश्रित करने के लिए उपयोग में लाई गई अन्य बहुमूल्य धातु का विवरण भी दिया जाना चाहिए।

4. निर्यात के समय निर्यात की जाने वाली मद्य में स्वर्ण वस्तु का सत्यापन सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा 1981-82 के लिए आयात नीती के परिशिष्ट 31 में वर्तमान योजना की कड़िका 17 में यथा निर्धारित विधि के अनुसार किया जाएगा।

5. निर्यात इस शर्त के अधीन होगा कि (1) जो निर्यातित मर्चे विदेश में बेची नहीं जाएंगी वे प्रदर्शनी समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भारत में पुनः आयात की जाएंगी, और (2) विदेश में बेची

ANNEXURE

गई सर्वों के सम्बन्ध में उनकी सोने की मात्रा प्रदर्शनी समाप्त होने के अधिक से अधिक 15 दिनों के भीतर प्रतिपूर्ति के रूप में आयात की जाएगी। आयात की अनुमति देने से पहले भारत का हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात नियम लि०, सीमा शुल्क प्राधिकारी के साथ इस सम्बन्ध में एक बाण्ड निष्पादित करेगा।

6. आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट-31 में विद्यमान योजना के पैरा 6 में यथानिर्धारित सोने की मात्रा के मूल्य से न्यूनतम 15 प्रतिशत अधिक मूल्य यहाँ भी लागू होगा।

7. प्रतिपूर्ति के रूप में सोने की खरीद भारतीय स्टेट बैंक की व्यवस्था बुवाई में प्राधिकृत एजेंट की सहायता से की जाएगी। इस बात का मुनिश्चय किया जाएगा, कि सोने की बुवाई गई कीमत इतनी हो जो निर्यातित आभूषणों के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत अधिक निर्धारित मूल्य में किसी भी समय कटौती न करे। आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट-31 में विद्यमान योजना के पैरा 20 की शर्त भी लागू होगी।

8. हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात नियम द्वारा प्रतिपूर्ति के रूप में भारत में आयातित सोना भारत सरकार के टकसाल में जमा किया जाएगा और बाण्ड में पात्र सहयोगियों को निहा किया जाएगा। आयात नीति 1981-82 के परिशिष्ट-31 में विद्यमान योजना में इस सम्बन्ध में निर्धारित क्रियाविधि विस्तृत रूप से लागू होगी।

9. इस योजना के अधीन सर्वों के निर्यात और बिज्जी से सोने की मात्रा की प्रतिपूर्ति की उस सीमा को छोड़कर किसी भी अन्य प्रतिपूर्ति/ लाभ के लिए पात्रता प्राप्त नहीं होगी जो इस योजना में निर्धारित की गई है।

मणि नारायणस्वामी,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE No. 53-ITC(PN)/81

New Delhi, the 26th October, 1981

SUBJECT :—Export of gold ornaments/articles by HHEC for exhibition abroad and for its sale.

File No. 6/182/81-EPC : The scheme for export of gold ornaments and articles for sale at exhibitions to be held in United Arab Emirate (UAE) by the Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited in November, 1981 and for import of gold as replenishment, is given in the following Annexure to this Public Notice :—

Scheme for export of gold ornaments and articles for sale at exhibitions to be held in UAE by the Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited, during November, 1981

Under this Scheme, export of gold ornaments and articles (other than coins) as defined in the Gold (Control) Act, 1968, will alone be allowed. The items for export should be made of purity not less than 0.5833 fineness which corresponds to 14 carats.

2. The export will be made by HHEC or its associates. The eligible associates will be those as are categorised in para 3 of the existing scheme contained in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82.

3. Under this scheme, exports will be made on consignment basis, with the approval of the Reserve Bank of India, for holding exhibitions in UAE. The description of each item exported, its total weight/value, and the weight and purity of its gold content, should be clearly given. In the case of studded items in addition to gold content as above, the description/weight/value of the stones/gems/pearls used in their manufacture, as well as the weight/value of any other precious metals used for alloying gold should also be given.

4. At the time of export, the gold content of the item to be exported, will be verified by the Customs Authority in the manner as laid down in para 17 of the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82.

5. The export shall be subject to the conditions that (i) the items exported which are not sold abroad shall be re-imported into India within 15 days of the close of the exhibition, and (ii) in respect of the items sold abroad, the gold content thereof shall be imported as replenishment not later than 15 days of the close of the exhibition. The Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited shall execute a bond to this effect with the Customs Authority before export is allowed.

6. A minimum value added of 15 per cent over the value of the gold content as laid down in para 6 of the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82 will also apply here.

7. Purchase of gold as replenishment will be made with the assistance of the State Bank of India or their duly authorised agent in Dubai. It will be ensured that the price of gold paid is such that it does not at any time erode the prescribed minimum value added of 15 per cent for the jewellery exported. The provisions of para 20 of the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82 will also apply.

8. The gold imported into India as replenishment by HHEC will be deposited with the Government of India Mint and for subsequent release to eligible associates. The details of the procedure laid down in this regard in the existing scheme in Appendix 31 of Import Policy, 1981-82 will apply.

9. Exports and sales of items under this scheme shall not qualify for any other replenishment/benefit except to the extent of the replenishment of gold content as laid down in this scheme.

MANI NARANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports.